हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "ए" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 87 | हल्द्वानी (नैनीताल) शनिवार 07 फरवरी 2026 | मूल्य रू 2 | पृष्ठ : 8

फर्जीवाड़े का पुलिस ने खुलासा किया

हल्द्वानी संवाददाता. नैनीताल जनपद के गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाली बहुचर्चित ईवीसीएल

(एपिक विक्ट्री क्रिकेट लीग) के नाम पर किए गए बड़े फर्जीवाड़े का पुलिस ने खुलासा किया है।इस मामले में एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजुनाथ टी. सी. के निर्देश पर काठगोदाम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लीग के कथित आयोजक विकास ढाका पुत्र यशवीर सिंह ढाका, निवासी I-162 सेक्टर नोएडा, उत्तर प्रदेश (उम्र 35 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपी से जुड़े दो बैंक खातों को फ्रीज किया गया है।दिनांक 05 फरवरी 2026 को हरियाणा के झज्जर निवासी हेमंत शर्मा और पूर्व विधायक सितारगंज नारायण पाल, निवासी अम्बिका विहार हल्द्वानी, द्वारा थाना काठगोदाम में तहरीर दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि विकास ढाका ने क्रिकेट लीग के आयोजन के नाम पर उनसे कुल 32 लाख रुपये की धोखाधड़ी की।पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने लीग में हरभजन सिंह, इरफान पठान, प्रवीण कुमार, मनप्रीत गोनी सहित अंतरराष्ट्रीय और रणजी खिलाड़ियों के शामिल होने का झूठा दावा कर टीम मालिकों को झांसे में लिया।हेमंत शर्मा द्वारा यू.पी. वॉरियर्स नाम की टीम खरीदी गई, जिसकी फ्रेंचाइजी फीस पहले 50 लाख रुपये बताई गई, लेकिन बाद में डिस्काउंट का लालच देकर 30 लाख रुपये में सौदा तय किया गया। इसके एवज में हेमंत शर्मा ने आरोपी विकास ढाका को नगद व अन्य माध्यमों से कुल 23 लाख रुपये का भुगतान किया।वहीं पूर्व विधायक नारायण पाल द्वारा उत्तराखंड सोल्जर्स नाम की टीम खरीदी गई, जिसके लिए 50 लाख रुपये की फ्रेंचाइजी फीस बताई गई और 10 लाख रुपये की छूट का झांसा देकर सौदा तय कराया गया। इस दौरान नारायण पाल ने 3 लाख रुपये नगद तथा 6 लाख रुपये हल्द्वानी नगर में प्रचार-प्रसार (होर्डिंग्स) पर खर्च किए, इस प्रकार कुल 9 लाख रुपये की राशि आरोपी को दी गई।टूर्नामेंट की शुरुआत 01 फरवरी 2026 को प्रस्तावित थी, लेकिन निर्धारित तिथि बीत जाने के बाद भी प्रतियोगिता शुरू नहीं हुई।

न पंचायत प्रशिक्षण कार्यक्रम में सशक्तिकरण और अग्नि सुरक्षा पर जोर

अल्मोड़ा संवाददाता. मिनी जू अल्मोड़ा स्थित वन चेतना केंद्र में शुक्रवार को वन पंचायतों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के अंतर्गत आने वाली विभिन्न

वन पंचायतों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सोयम वन प्रभाग अल्मोड़ा के प्रभागीय वनाधिकारी प्रदीप कुमार धौलाखंडी ने की। प्रशिक्षण के दौरान वन पंचायत सुदृढ़ीकरण, कौशल विकास, वन पंचायत नियमावली 2024 और अग्नि सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में सिविल सोयम वन प्रभाग रानीखेत के प्रभागीय वनाधिकारी संतोष पंत, मानसखण्ड विज्ञान केंद्र अल्मोड़ा के प्रभारी डॉ नवीन जोशी, उत्तराखंड स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी से जुड़े जी सी एम नेगी, जी बी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान अल्मोड़ा से डॉ हर्षित पंत और वन पंचायत विशेषज्ञ डॉ डी के जोशी ने अपने-अपने विषयों पर व्याख्यान दिए। डॉ डी के जोशी ने वन पंचायत नियमावली की जानकारी दी, जबकि डॉ नवीन जोशी ने मानव-वन्यजीव संघर्ष के न्यूनीकरण पर अपने विचार रखे। डॉ हर्षित पंत ने ग्रामीण आजीविका के अवसरों पर प्रकाश डाला और जी सी एम नेगी ने कार्बन क्रेडिट की अवधारणा को सरल शब्दों में समझाया।

शराब पार्टी के दौरान जहरीले पदार्थ के सेवन से दो लोगों की मौत

खटीमा संवाददाता. बीती देर रात एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। शराब पार्टी के दौरान जहरीले पदार्थ के सेवन से दो लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तब हुआ जब तीनों

लोग एक विवाह समारोह से घर लौट रहे थे।जानकारी के अनुसार, ऊधम सिंह नगर जिले के खटीमा के सीमांत क्षेत्र कंजाबाग निवासी ढिल्लू राणा (52) अपने साथियों मलकीत सिंह राणा और एडवोकेट प्रवेश राणा के साथ ढिल्लू राणा के कंजाबाग रोड स्थित पार्वती बैंक्वेट हॉल के सामने शराब का सेवन कर रहे थे। शराब में पानी मिलाए जाने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि इसमें से असामान्य गंध आ रही थी।यह भी पढ़ें घ्घ पुलिस में बड़ा फेरबदल...एसपी और सीओ स्तर पर बदले दायित्व शराब पीने के तुरंत बाद तीनों की तबीयत बिगड़ी और उन्हें पेट में जलन व सांस लेने में तकलीफ शुरू हो गई। स्थानीय निवासी जीवन ने उन्हें निजी वाहन से खटीमा उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया। इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर वीपी सिंह ने उनका इलाज शुरू किया। इलाज के दौरान ढिल्लू राणा की मौत हो गई। गंभीर हालत में मलकीत सिंह और एडवोकेट प्रवेश राणा को हायर सेंटर रेफर किया गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट ने कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाया

भीमताल संवाददाता. /क्षेत्र में कथित डेमोग्राफी परिवर्तन और एक पीड़ित परिवार की बच्ची के साथ हुई गंभीर घटना को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अजय भट्ट ने कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाया है। सांसद भट्ट ने इस पूरे प्रकरण को अत्यंत संवेदनशील बताते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल से फोन पर विस्तृत बातचीत की और मामले में सख्त व त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।सांसद अजय भट्ट ने जिलाधिकारी को रेहड़ और टमटयूड़ा क्षेत्र में व्यापक जांच कराने को कहा। उन्होंने इस बात पर गंभीर सवाल उठाया कि बाहरी लोग किस तरह अवैध रूप से सरकारी भूमि पर आवास निर्माण कर रहे हैं, जबकि स्थानीय निवासियों के लिए भवन निर्माण से पूर्व नक्शा पास कराना अनिवार्य है। सांसद ने प्रशासन से इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।पीड़ित परिवार की बच्ची के साथ हुई घटना पर सांसद अजय भट्ट ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट कहा

कि वे हर परिस्थिति में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़े हैं। सांसद ने भरोसा दिलाया कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।दोषियों को नहीं मिलेगी कोई राहतसांसद भट्ट ने पुलिस प्रशासन को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच के निर्देश देते हुए कहा कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था और सामाजिक संतुलन से जुड़े मामलों में प्रशासन को पूरी सख्ती और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी होगी।

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

भारत को आत्मनिर्भर होना होगा

जैसे ही यूरोपीय संघ के साथ एक व्यापार संधि फाइनल होने की बात आई वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत की और नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि जल्दी ही दोनों देशों के बीच एक अच्छी व्यापार संधि होगी। यह भारत के लिए आदर्श स्थित है कि वह भयंकर व्यापार घाटे वाले देश से व्यापार मुनाफे वाले देश में अपने को बदले। लेकिन इसके लिए ऐतिहासिक रूप से भारत ने तैयारी नहीं की। हमारे यहां इस बात पर पीठ थपथपाई जा रही है कि भारत सबसे ज्यादा मोबाइल हैंडसेट निर्यात करने वाला देश बन गया है।सोचें, यह क्या उपलब्धि हुई? भारत अपना एक भी हैंडसेट नहीं बनाता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय भारत की घरेलू हैंडसेट कंपनियां लावा और माइक्रोमैक्स का भारत के बाजार पर कब्जा था। लेकिन दो साल के भीतर ये कंपनियां गायब हो गई हैं और चीन की मोबाइल कंपनियों ने भारत के बाजार पर कब्जा कर लिया। भारत आज अमेरिका कंपनी एपल के आईफोन और दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के हैंडसेट असेंबल करता है और उन्हें दुनिया के देशों में बेचा जाता है। सोचें, इसमें भारत के कुछ लोगों को नौकरी मिली है, इसके अलावा भारत को क्या हासिल हो रहा है!असल में भारत असेंबलिंग का सेंटर बनता जा रहा है। दुनिया की कंपनी भारत में सस्ता श्रम और दूसरी चीजें हासिल कर रही हैं और अपना उत्पाद असेंबल करके दुनिया में बेच रही हैं। भारत के पास न तो अपनी तकनीक है और न अपना कोई उत्पाद है। तभी इस बात की आशंका है कि दुनिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार की संधि होने के बाद भारत का व्यापार घाटा कहीं और न बढ़ जाए। अभी अकेले चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का व्यापार घाटा है।दुनिया के चुनिंदा देशों के साथ ही भारत व्यापार में मुनाफा कमाता है। अमेरिका उनमें से एक है। अगर भारत अपने यहां विनिर्माण सेक्टर को मजबूत नहीं करेगा, उत्पादन नहीं शुरू करेगा, शोध व विकास पर खर्च करके नई चीजें बनाना नहीं शुरू करेगा तो क्या बेचेगा? दुनिया के देशों के पास तो बेचने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। भारत तो दूसरे देशों से खरीद कर बेचने वाला देश बन गया है। यहां बनना कैसे शुरू होगा? पहले जो लघु व कुटीर उद्योग भारत में चलते थे उनमें से ज्यादातर बंद हो गए। छोटी छोटी फैक्टरी चलाने वाले सारे लोग व्यापारी बन गए। वे चीन या दूसरे देशों में जाकर सामान लाते हैं और भारत में बेचते हैं।जब तक निर्माण का काम शुरू नहीं होगा, तब तक व्यापार संधियों का बहुत लाभ भारत को नहीं मिलेगा। इसके लिए भारत को पहले अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होना होगा। जैसे हरित क्रांति से अनाज के मामले में और श्वेत क्रांति से दूध के मामले में भारत आत्मनिर्भर हुआ वैसे ही किसी क्रांति के जरिए चीन के ऊपर से निर्भरता हटानी होगी और तब दुनिया को निर्यात करने के बारे में सोचना होगा।

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गई और बहुत बड़ी बन गई।

बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है।

उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी।उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं।सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा।

उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है।तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है।नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा।लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में ममता बनर्जी की जीत ने प्रशांत किशोर को सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया था। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा एक सौ सीट तक नहीं पहुंचेगी और भाजपा सचमुच 77 सीट पर रह गई। अब उनके लिए यह मौका तमिलनाडु में बन सकता है। अगर तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा बनती है और विजय की ऐसी हैसियत होती है कि उनके बगैर सरकार न बने तो वह भी पीके के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है।टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा होना भी प्रशांत किशोर की राजनीति का असर हो सकता है। तमिलनाडु में प्रशांत किशोर अपने को किस तरह से लगाते हैं, क्या मैसेज बनवाते हैं और चुनाव के बाद किस हैसियत में उभरते हैं इससे बिहार की राजनीति में उनकी और उनकी पार्टी की किस्मत बहुत कुछ निर्भर करेगी। कांग्रेस भी अगर उनको आगे मौका देती है तो उसका भी फैसला तमिलनाडु के चुनाव नतीजों से होगा। जो हो उनके लिए अभी रास्ते बंद नहीं हुए हैं। इस बीच वे और उनका संगठन फिर से बिहार में सक्रिय हो गए हैं। सोशल मीडिया में पिछले दो महीने में उनकी उपस्थिति बहुत कम हो गई थी लेकिन एक बार फिर उनकी सोशल मीडिया टीम सक्रिय हो गई है।

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है।साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं।ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं।यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना समारोह का विधिवत समापन

- संत-महात्माओं व शीर्ष नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

हरिद्वार संवाददाता. हरिद्वार के सप्तऋषि क्षेत्र स्थित भारत माता मंदिर परिसर में ब्रह्मलीन परम पूज्य गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की समाधि मंदिर मूर्ति स्थापना के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय भव्य समारोह का शुक्रवार को विधिवत समापन हुआ। इस अवसर पर समाधि मंदिर एवं प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। समारोह के समापन अवसर पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज सहित अनेक संत-महात्मा एवं गणमान्य अतिथियों ने गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज के समाधि स्थल पर पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन में देशभर से संत-महात्मा, धर्मगुरु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं राजनीतिक नेतृत्व उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र चेतना, सनातन संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा तथा मानव सेवा जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गंगा तट पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर उपस्थित होना उनके लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने मां गंगा को नमन करते हुए ऋषि-मुनियों की स्मृतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी भले ही आज हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, किंतु उनकी साधना, विचार और जीवन दर्शन आज भी समाज को मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा उनके जीवन मूल्यों और विचारधारा को पुनः जागृत करने का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हरिद्वार केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। यहीं से भारतीय संस्कृति की अखंड धारा प्रवाहित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा केवल भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी सांस्कृतिक जड़ों की सुरक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। यदि संस्कृति कमजोर होती है तो राष्ट्र भी कमजोर हो जाता है। उन्होंने सनातन संस्कृति, अद्वैत वेदांत, भक्ति परंपरा और गुरु-शिष्य संवाद को भारत की आत्मा बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिकता और संस्कृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। तकनीकी ज्ञान के साथ संस्कार जुड़ जाएं तो राष्ट्र को कोई भी कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए देश की अखंडता, संप्रभुता और गौरव की रक्षा के लिए सामूहिक संकल्प लेने का संदेश दिया।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि उत्तराखंड में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गुरुदेव स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज ने आध्यात्मिक साधना को समाज सेवा से जोड़कर एक विशिष्ट जीवन दर्शन प्रस्तुत किया। भारत माता मंदिर की स्थापना के माध्यम से उन्होंने राष्ट्र प्रेम और सांस्कृतिक गौरव को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सनातन संस्कृति और विरासत को वैश्विक पहचान मिल रही है तथा उत्तराखंड विकास और विरासत के संतुलन के साथ आगे बढ़ रहा है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी सनातन परंपरा के सशक्त ध्वजवाहक थे। करुणा, मैत्री और राष्ट्रभक्ति उनके जीवन के मूल मूल्य थे। उन्होंने भारत माता मंदिर को राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह मंदिर जाति, क्षेत्र और भाषा की सीमाओं से ऊपर उठकर संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधता है।

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि भारत माता मंदिर की स्थापना एक दूरदर्शी राष्ट्र मंदिर की अवधारणा के साथ की गई थी, जिसे आज और अधिक सशक्त रूप दिया जा रहा है। उन्होंने चारधाम मार्गों पर चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराने वाले चिकित्सकों की सराहना करते हुए इसे सच्ची राष्ट्र सेवा बताया।

विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण ने कहा कि स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी राष्ट्र, धर्म और मानव चेतना के अमर पथप्रदर्शक थे। उनका संपूर्ण जीवन सनातन संस्कृति, राष्ट्र धर्म और मानव कल्याण को समर्पित रहा।भारत सरकार के ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि संत समाज से उन्हें सदैव प्रेरणा और मार्गदर्शन प्राप्त होता रहा है। उन्होंने इस आयोजन में सम्मिलित होने को सौभाग्य बताया।कार्यक्रम में जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि महाराज, कार्ष्णि पीठाधीश्वर स्वामी गुरु शरणानंद जी महाराज, उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक, हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक', विधायक प्रेमचंद अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में साधु-संत, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सूबे में भी शुरू होगी सहकारिता आधारित भारत टैक्सी सेवा: डॉ धन सिंह रावत

- ड्राइवर को मिलेगा पूर्ण स्वामित्व, सुरक्षा और सम्मान

देहरादून संवाददाता. उत्तराखंड में सहकारिता आंदोलन को एक नई और सशक्त दिशा देते हुए राज्य में शीघ्र ही सहकारिता आधारित टैक्सी सेवा की शुरुआत की जाएगी। यह जानकारी उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने दी। उन्होंने बताया कि यह पहल केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की श्भारत टैक्सीश सेवा से प्रेरित है, जिसका शुभारंभ गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया गया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता के तहत नई पहल करते हुये श्भारत टैक्सीश योजना का शुभारंभ किया, जिसमें टैक्सी चालकों को केवल चालक नहीं बल्कि वाहन और सेवा का वास्तविक स्वामी बनाया गया है। इस सहकारी मॉडल का उद्देश्य बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों की तरह कमीशन आधारित पूंजी निर्माण नहीं, बल्कि सारथियों को उनके मुनाफे का अधिकार देकर उनकी आय, सुरक्षा और आत्मसम्मान को सुदृढ़ करना है।उत्तराखंड में सहकार टैक्सी की अपार संभावनाएं: सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि होने के साथ-साथ अब तेजी से पर्यटन, तीर्थाटन और वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी उभर रहा है। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और शांत वातावरण के कारण देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा में प्रतिवर्ष 30 लाख से अधिक श्रद्धालु उत्तराखंड आते हैं,जबकि पिछले वर्ष एक आंकड़े के अनुसार 4 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक राज्य में पहुंचे, जो अब तक का रिकॉर्ड माना जा रहा है। इन पर्यटकों में बड़ी संख्या में विदेशी नागरिक भी शामिल रहे।

भूस्खलन पूर्वानुमान प्रणाली को सशक्त बनाने पर मंथन

- यूएलएमएमसी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

देहरादून संवाददाता. उत्तराखण्ड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र द्वारा हिंदू कुश हिमालय क्षेत्र में आपदा-सक्षम विकास विषय पर आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 02 फरवरी से 06 फरवरी, 2026 तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण एवं वित्तीय प्रशासन अनुसंधान संस्थान, सुद्धोवाला, देहरादून में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यूएलएमएमसी द्वारा विश्व बैंक तथा नार्वेयन जियो टेक्निकल इंस्टीट्यूट के सहयोग से किया गया।पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान देश-विदेश के विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों ने उत्तराखण्ड में भूस्खलन प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों एवं आधुनिक तकनीकों पर विचार-विमर्श किया।

सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र में आपदा-सक्षम एवं जोखिम-संवेदनशील विकास को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार हुआ। समापन के अवसर पर विश्व बैंक पोषित यू-प्रिपेयर परियोजना के निदेशक आनंद स्वरूप ने प्रतिभागियों को सम्मानित किया।प्रशिक्षण में इस बात को विशेष रूप से रेखांकित किया गया कि उत्तराखण्ड जैसे भूस्खलन-संवेदनशील हिमालयी राज्यों में भूस्खलन पूर्वानुमान प्रणाली, प्रारंभिक चेतावनी तंत्र तथा आधुनिक भू-तकनीकी जांच प्रयोगशाला की स्थापना आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है। इन वैज्ञानिक अवसंरचनाओं के माध्यम से भूस्खलन जोखिमों की पूर्व पहचान, समयबद्ध चेतावनी तथा साक्ष्य-आधारित निर्णय-निर्माण को सुदृढ़ किया जा सकता है।

हिन्दी दैनिक जोखिम

परीक्षा पर चर्चा अब राष्ट्रीय आंदोलन, स्कूली परीक्षा चुनौति नहीं बल्कि परिपक्व होने का एक पड़ाव है : मुख्यमंत्री

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज पूरा देश प्रधानमंत्री जी के परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण से जुड़ा है। यह आयोजन अब केवल संवाद नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री जी का संदेश हमें यह सिखाता है कि परीक्षा जीवन की एक कड़ी हो सकती है, लेकिन सम्पूर्ण जीवन नहीं। मुख्यमंत्री ने अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्कूल का समय अमूल्य होता है, जो दोबारा लौटकर नहीं आता। इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल और अन्य गतिविधियों में भी निरंतर प्रतिभाग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा एक अवसर है, जिसमें छात्र एक योद्धा की तरह पूरे आत्मविश्वास, धैर्य और शांति के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना ही काबिलियत नहीं, जीवन में और भी अनेक लक्ष्य होते हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से लक्ष्य तय कर प्राथमिकताओं के साथ आगे बढ़ने तथा परीक्षा के दबाव से मुक्त रहकर सकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करने का आह्वान किया। साथ ही अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालें और उनकी तुलना दूसरों से न करें। संदर्भित है कि परीक्षा पे चर्चा 2026 के अंतर्गत देशभर में चार करोड़ से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने पंजीकरण किया है, जिससे पूर्व का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी टूटने जा रहा है। उत्तराखंड राज्य से इस वर्ष लगभग 7 लाख विद्यार्थी, 53 हजार से अधिक शिक्षक एवं 14 हजार से अधिक अभिभावक जुड़े हैं, जबकि गत वर्ष यह संख्या 2 लाख 98 हजार विद्यार्थियों तक सीमित थी। राज्य के विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए 10 प्रेरक वीडियो में से एक वीडियो राष्ट्रीय स्तर पर चयनित हुआ है, जो राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाला कुराली, विकासखंड जखोली, जनपद रुद्रप्रयाग के छात्र रोहन सिंह राणा द्वारा तैयार किया गया है। रोहन सिंह राणा को प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम में दिल्ली आमंत्रित किया गया है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम के दौरान महानिदेशक शिक्षा सुश्री दीप्ति सिंह, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रामनगर क्षेत्र में जागरूकता एवं प्रवर्तन संबंधी कार्यवाही की गई

रामनगर संवाददाता. औषधि विभाग ने उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देश पर कोडीन युक्त कफ सिरप एवं अन्य मन:प्रभावी औषधियों की वी अवैध बिक्री की रोकथाम के लिए के रामनगर क्षेत्र में जागरूकता एवं प्रवर्तन संबंध ी कार्यवाही की गई। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नैनीताल मीनाक्षी बिष्ट एवं औषधि निरीक्षक अर्चना द्वारा मेडिकल स्टोर संचालकों के साथ गोष्ठी की गई। गोष्ठी के दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया गया कि सभी एंटीबायोटिक्स औषधियाँ केवल पंजीकृत चिकित्सक के वैध चिकित्सकीय पर्चे पर ही विक्रय की जाएँ।मेडिकल स्टोर संचालकों को यह भी निर्देशित किया गया कि प्रत्येक औषधि विक्रय पर विधिवत कैश मेमो/बिल जारी किया जाए और उसका पूर्ण अभिलेख नियमानुसार संधारित किया जाए।साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि मन:प्रभावी औषधियाँ केवल विधिवत चिकित्सकीय पर्चे के आधार पर ही वितरित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त मेडिकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे औषधियाँ केवल पंजीकृत एवं लाइसेंसधारी थोक विक्रेताओं से ही क्रय करें और किसी भी औषधि की गुणवत्ता के संबंध में संदेह होने की स्थिति में तत्काल औषधि विभाग को सूचित करें।नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रामनगर के चिलकिया गांव में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

रामनगर संवाददाता. रामनगर क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।गुरुवार देर रात रामनगर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम चिलकिया निवासी 20 वर्षीय राजेंद्र राम ने संदिग्ध परिस्थितियों के चलते अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता उस समय चला जब परिजनों ने युवक को फंदे पर लटका हुआ देखा। जिसके बाद परिवारजनों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में युवक को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल रामनगर लाया गया।अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का कहना है कि युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया।इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।स्थानीय लोगों के अनुसार, युवक सामान्य स्वभाव का था और इस तरह की घटना से गांव में भी शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के कारणों की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

रामनगर के होटल में गहनों की चोरी का खुलासा, महिला गिरफ्तार, लाखों का सामान बरामद

रामनगर संवाददाता. रामनगर में

होटल के कमरे से गहनों की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से लाखों रुपये के चोरी हुए गहने और नकदी बरामद की है। हल्द्वानी निवासी आशीष बेलवाल ने बीते दिन गुरुवार को दोपहर के समय थाना कोतवाली रामनगर में डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि ढेला क्षेत्र स्थित रेड रूफ इन होटल के कमरे नंबर 109 में एक महिला के मंगलसूत्र और कान के कुंडल चोरी हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्यवाही करते हुए उप निरीक्षक राजकुमारी, महिला कॉन्स्टेबल उमा और कॉन्स्टेबल संजय सिंह को मौके पर रवाना किया।इस दौरान शिकायतकर्ता आशीष बेलवाल निवासी हल्द्वानी स्वयं थाने पहुंचे और घटना के संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जांच के दौरान होटल में मौजूद एक संदिग्ध महिला दिखाई दी। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शुभांगी पांडे निवासी वसुधा कॉटेज, मेलरोज कंपाउंड, मल्लीताल नैनीताल बताया ।शुरुआत में महिला ने घटना की जानकारी होने से इनकार किया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी महिला की तलाशी लेने पर उसके बैग से पीड़ित की पत्नी का चोरी हुआ सोने और डायमंड का मंगलसूत्र, सोने और डायमंड का एक कान का टॉप्स तथा 3520 रुपये नकद बरामद किए गए।

रामनगर में नेशनल हाईवे 309 पर भीषण सड़क हादसा, दो डॉक्टर गंभीर घायल, रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज रेफर

रामनगर संवाददाता.रामनगर में शुकवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया,नेशनल हाईवे 309 पर रामनगर से आगे रिंगोड़ा के पास एक पिकअप वाहन और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई,हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार दोनों युवक-युवती गंभीर रूप से घायल हो गए,घायलों की पहचान बरेली स्थित रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज में एनेस्थेजिया विभाग के पीजीजेआर सेकंड ईयर के छात्र-छात्रा डॉ. प्रस्तुति और डॉ. अभिषेक के दोनों डॉक्टर गर्जिया की ओर जा कार की सामने से आ रहे पिकअप बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गंभीर रूप से घायल हो गए,हादसे मच गई,स्थानीय स्तर पर बंजी जम्प दिखाते हुए तुरंत घायलों की मदद को अपने निजी वाहन से रामनगर पहुंचाया,अस्पताल पहुंचने पर उपचार शुरू किया।रामदत्त संयुक्त

रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार रहे थे, तभी रिंगोड़ा के पास उनकी वाहन से टक्कर हो गई,टक्कर के गई और उसमें सवार दोनों डॉक्टर के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी में कार्यरत कुछ युवाओं ने मानवता की,उन्होंने बिना देर किए दोनों घायलों स्थित रामदत्त संयुक्त चिकित्सालय चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. तौहिद ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह हुई।दोनों घायलों को अस्पताल लाया गया,उन्होंने बताया कि दोनों घायल डॉक्टर हैं। महिला डॉक्टर डॉ. प्रस्तुति के सिर पर व पैरों में गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें सिर की हड्डियां तक दिखाई दे रही थीं। अस्पताल में उनके सिर पर टांके लगाकर प्राथमिक उपचार किया गया,वहीं डॉ. अभिषेक के पैरों और कूल्हे में गंभीर चोटें आई हैं,चिकित्सक डॉ. तौहिद ने बताया कि घायलों की हालत गंभीर होने के चलते और स्वयं घायलों के आग्रह पर दोनों को बेहतर इलाज के लिए रुहेलखंड मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है, फिलहाल दोनों को एंबुलेंस के माध्यम से बरेली भेज दिया गया है,घटना के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस द्वारा मामले की जानकारी जुटाई जा रही है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दीपक कुमार, विजय रावत और अन्य लोगों पर पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

रामनगर संवाददाता. उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी एवं विभिन्न सामाजिक राजनीतिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने समाज में सामाजिक सद्भाव एवं भाईचारा बनाए रखने के लिये अपनी जान जोखिम में डालने वाले कोटद्वार निवासी दीपक कुमार, विजय रावत और अन्य लोगों पर पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया है। शुक्रवार को उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के प्रधान महासचिव राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी की अगुवाई में उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने उप जिलाधिकारी प्रमोद कुमार के माध्यम से राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में बताया है कि जब पूरा देश 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस मना रहा था।उसी दिन बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं के द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार में व्यवसाय करने वाले एक समुदाय विशेष के बुजुर्ग दुकानदार की दुकान पर जाकर उनसे अभद्रता ,गाली गलौज करने लगे। जब विवाद बढ़ा तो नफरत से भरे बजरंग दल के कार्यकर्ता हिंसक होने लगे तो नजदीक में खड़े जिम व्यवसाय दीपक कुमार एवं उनके साथी बीच बचाव करने की कोशिश करने लगे। नफरती बजरंग दल के कार्यकर्ता उनसे भी अभद्रता एवं गाली गलौज करने लगे। दीपक कुमार एवं उनके साथियों के बीच बचाव में आने से एक बहुत बड़ी घटना होने से रह गई जिसके कारण नफरती कार्यकर्ताओं को वहां से जाने को मजबूर होना पड़ा।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

अल्मोड़ा संवाददाता. उत्तराखंड सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत विकासखंड ताकुला की न्याय पंचायत ग्वालाकोट में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं का लाभ लिया। शिविर की अध्यक्षता उत्तराखंड सरकार की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने की। उन्होंने आमजन से सीधे संवाद के दौरान उनकी समस्याएं सुनीं। शिविर में पेयजल और सड़क से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। आयोजन के दौरान कुल 101 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से लगभग 95 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। शिविर के माध्यम से 412 लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया, जबकि 420 आवेदन अलग-अलग योजनाओं

के अंतर्गत मौके पर ही भरवाए गए। लाभार्थियों को योजनाओं से जुड़ी सामग्री भी वितरित की गई। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और कार्यक्रम की भावना के अनुरूप संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अल्मोड़ा अंशुल सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए आश्वस्त किया कि शिविर में प्राप्त सभी मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। शिविर के दौरान सूचना एवं लोक संपर्क विभाग अल्मोड़ा की ओर से जनोपयोगी प्रचार सामग्री का वितरण किया गया, जिससे लोग सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और जनहित में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य और भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक ने किया थाना सल्ट का वार्षिक निरीक्षण

अल्मोड़ा संवाददाता. अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा हरबन्स सिंह ने गुरुवार को थाना सल्ट का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की व्यवस्थाओं, अभिलेखों और कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, कर्मचारी बैरक और भोजनालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान थाना परिसर में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। थाने के समस्त अभिलेखों का गहन परीक्षण करते हुए प्रविष्टियों की जांच की गई और कार्यालय स्टाफ को रिकॉर्ड अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान थाने के आवासीय भवनों की भी समीक्षा की गई। क्षतिग्रस्त दीवारों और खिड़कियों की समय पर मरम्मत कराने के निर्देश थानाध्यक्ष को दिए गए। सीसीटीएनएस कार्यों की जांच करते हुए नियुक्त कार्मिकों को ऑनलाइन जनरल डायरी और आईआईएफ प्रपत्रों की समयबद्ध फीडिंग सुनिश्चित करने तथा सभी संबंधित पोर्टलों की नियमित निगरानी कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों, वारंटों की तामीली और निरोधात्मक कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण करने, वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करने तथा थाने में लंबित माल और मुकदमाती वाहनों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को सरकारी संपत्ति के समुचित रखरखाव, प्रभावी कार्यप्रणाली अपनाने और थाने में आने वाले आगंतुकों व शिकायतकर्ताओं के साथ शालीन व्यवहार करते हुए समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए गए। बीट क्षेत्र में तैनात कर्मियों को नियमित भ्रमण करने, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और भंडारण में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा व्यापक सत्यापन और जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के समय थाना सल्ट के थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रह

दो दिवसीय वार्षिक उत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कराया

हल्द्वानी संवाददाता. /कुमाऊं के प्रथम पूजनीय देवता गोलज्यू महाराज जी के दशम स्थापना दिवस के अवसर पर गोलज्यू महाराज स्थापना समिति ने दो दिवसीय वार्षिक उत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कराया आज जागर लगाकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया ।और 6 फरवरी को प्रात: हवन और यज्ञ कर कर कार्यक्रम का पारायण किया गया उसके पश्चात 21 कन्याओं का भोज कराकर भंडारे का प्रारंभ किया और क्षेत्रवासियों ने लगभग 2600 भक्तों ने गोलज्यू महाराज जी का प्रसाद प्राप्त किया ।समिति के अध्यक्ष रविंद्र बाली ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समय-समय पर होने चाहिए इससे हमारी संस्कृति अमर रहेगी और आने वाली पीढ़ी को भी अपने कुमाऊं के देवी देवताओं के विषय में ध्यान रहेगा जिससे वह हमारे बाद इस अनुष्ठान को पूरे कुमाऊं में करेंगे और अपनी धार्मिक संस्कृति कुमाऊं की संस्कृति को जिंदा रखेंगे ।प्रसाद लेने वालों में जिला अध्यक्ष भाजपा प्रताप बिष्ट प्रकाश हरबोला दर्जा राज्यमंत्री सुरेश भट्ट रेनू अधिकारी ,दिनेश आर्य, प्रदीप जेनोटी मधुकर सोत्रीय हेमंत बिष्ट गोविंद अग्रवाल पवन बिष्ट ,हिमांशु सनवाल , राजू मेहरा राधेश्याम रावत हितेश शर्मा पुलकित प्रताप जीतू आर्या दीपक आर्य रीना बाली साक्षी नीरकोटी राधा राधेश्याम रावत सोनू शर्मा पुलकित प्रताप गणेश आर्य संदीप कुकसाल वह सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद प्राप्त किया

जागरूकता चौपाल में सुरक्षा कानूनों और साइबर अपराध पर दी गई जानकारी

अल्मोड़ा संवाददाता. जनपद में महिला सुरक्षा और जन-जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत महिला कोतवाली अल्मोड़ा की ओर से ग्राम तल्ला फलसीमा में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा कानूनों और सहायता से जुड़े विभिन्न माध्यमों की जानकारी दी गई। यह जागरूकता कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित हुआ। महिला कोतवाली की प्रभारी निरीक्षक जानकी भंडारी के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल इंद्रा भट्ट जोशी और द्रौपदी सुयाल ने ग्रामीण महिलाओं से संवाद किया। चौपाल के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और अन्य अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता के लिए डायल 112, महिला हेल्पलाइन 1090 और 181 पर सूचना देने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरीकों से हो रहे अपराधों के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया गया। महिलाओं को नए आपराधिक कानूनोंख्भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियमख्के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, सड़क सुरक्षा माह के तहत यातायात नियमों के पालन और पुलिस के साथ सहयोग करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा साइबर हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपदा हेल्पलाइन 1070 के उपयोग के बारे में भी विस्तार से बताया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कानून और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर और सतर्क बनाना है, ताकि किसी भी समस्या की स्थिति में वे बिना संकोच सहायता प्राप्त कर सकें।

शिक्षा विभाग में वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया लागू नहीं करने को बताया अलोकतांत्रिक

अल्मोड़ा संवाददाता. उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन उत्तराखंड, जनपद अल्मोड़ा ने शिक्षा विभाग में वार्षिक स्थानांतरण प्रक्रिया लागू न होने पर गहरा असंतोष जताया है। संगठन के अध्यक्ष मनोज कुमार जोशी और सचिव धीरेन्द्र कुमार पाठक ने जारी बयान में कहा कि अन्य विभागों में वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत समय पर स्थानांतरण किए गए, लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा ऐसा न किए जाने से शिक्षकों और कर्मचारियों के बीच असहज स्थिति उत्पन्न हो गई है। संगठन का कहना है कि अप्रैल 2025 में सुगमख्दुर्गम से जुड़ी याचिका दायर होने के बाद भी फरवरी 2026 तक लगभग दस माह बीत जाने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जो शासन व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने इसे हजारों शिक्षकों और कर्मचारियों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला कदम बताया। बयान में कहा गया कि जब सुगमख्दुर्गम के आधार पर पदोन्नति, धारा 27 और पारस्परिक स्थानांतरण जैसी व्यवस्थाएं लागू हैं, तो केवल वार्षिक स्थानांतरण को रोका जाना अलोकतांत्रिक है। संगठन ने यह भी कहा कि शासन स्तर पर स्थानांतरण प्रक्रियाएं लगातार चल रही हैं, ऐसे में शिक्षा विभाग में देरी समझ से परे है। संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि शिक्षकों और कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा विभाग में भी वार्षिक स्थानांतरण नीति के तहत तत्काल निर्णय लिया जाए। इस मांग का समर्थन संरक्षक मंडल सदस्य पी एस बोरा, गोकुल मेहता, रमेश पांडेय और महेंद्र गुसाई के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिगंबर फुलोरिया, उपाध्यक्ष महेश आर्य, कार्यालय सचिव गणेश भंडारी, दीपक तिवारी, संगठन मंत्री डी के जोशी, संयुक्त मंत्री राजेन्द्र सिंह लटवाल और तारा सिंह बिष्ट, ऑडिटर भगवत सिंह सतवाल तथा कोषाध्यक्ष दीपशिखा मेलकन्या ने भी किया।

खलिया टॉप पहुंची सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्षा रिछारिया रास्ता भटकने से फंसीं

पिथौरागढ़ संवाददाता. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हर्षा रिछारिया खलिया टॉप से लौटते समय रास्ता भटकने से जंगल में फंस गईं। गुरुवार रात करीब डेढ़ घंटे हर्षा अपने कुछ साथियों के साथ जंगल में इधर-उधर भटकती रही। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस रेस्क्यू कर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर समेत अन्य लोगों को सुरक्षित मुनस्यारी लेकर आई। बीते रोज सुबह नौ बजे के करीब हर्षा रिछारिया अपने साथियों के साथ खलिया टॉप को निकली। शाम को वह जीरो प्वाइंट से मुनस्यारी के लिए रवाना हुए। पांच के करीब बेस कैंप से मुनस्यारी आते समय वह रास्ता भटक गए और शहर की तरफ न आकर जंगल की तरफ चले गए। अंधेरा होने और रास्ता भटकने का एहसास होने पर उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई। मुनस्यारी की तरफ आ रहे लखनऊ के पांच पर्यटकों ने उनकी आवाज सुनी और खलिया द्वार पहुंचकर स्थानीय लोगों को बताया। हिम वीर टूर एंड ट्रैवल्स के सोनू निखुर्पा ने बताया कि जानकारी के बाद उन्होंने खलिया द्वार में काम करने वाले दो कर्मचारियों को मदद के लिए भेजा। बाद में सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और सभी को सुरक्षित खलिया द्वार लाया गया। मदद के लिए पुलिस का आभार जताया है। टीम में कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह, कांस्टेबल बलवंत सिंह, कांस्टेबल प्रेम बंग्याल शामिल रहे। कौन है हर्षा रिछारिया मुनस्यारी। हर्षा रिछारिया एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पूर्व मॉडल और एंकर रह चुकी हैं. वे लंबे समय तक ग्लैमर और मीडिया की दुनिया से जुड़ी रहीं, लेकिन बाद में उन्होंने इस दुनिया से दूरी बनाते हुए आध्यात्मिक मार्ग की ओर रुख किया।

हिन्दी दैनिक
जोखिम

इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित दो मंजिला भवन का हुआ उद्घाटन

-सेवा, सुशासन और विकास सरकार का संकल्प : सीएम
-संस्कारयुक्त शिक्षा से राष्ट्र निर्माण, भौतिक विकास मात्र साधन : योगी आदित्यनाथ

पौड़ी संवाददाता. इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित दो मंजिला भवन के उद्घाटन के अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यमकेश्वर पहुंचे। कार्यक्रम से पूर्व दोनों मुख्यमंत्रियों ने यमकेश्वर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात दोनों नेताओं ने इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया।शिक्षा केवल रोजगार नहीं, संस्कार और जिम्मेदार नागरिक निर्माण का माध्यम

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विद्या मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। शिक्षा केवल डिग्री या रोजगार का साधन नहीं, बल्कि संस्कार, चेतना और नैतिक मूल्यों के विकास का आधार है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा बीते चार वर्षों में 28 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी रोजगार उपलब्ध कराए गए हैं। सरकार शिक्षा के सुदृढ़ इंफ्रास्ट्रक्चर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और नवाचार के माध्यम से समावेशी विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि नवनिर्मित इंटर कॉलेज भवन क्षेत्र के शैक्षिक विकास में मील का पत्थर सिद्ध होगा और इससे विद्यार्थियों को बेहतर वातावरण मिलेगा। शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण ही सरकार का लक्ष्य है।मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुरक्षा, सुशासन और विकास के क्षेत्र में पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है कि योगी आदित्यनाथ ने यहीं से प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की और आज देश के सशक्त नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका जीवन सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण की प्रेरक मिसाल है।

संक्षिप्त समाचार...

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने की जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से भेंट

हरिद्वार संवाददाता. कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज हरिद्वार के कनखल स्थित आश्रम पहुंचकर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद भी लिया।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने किया यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का स्वागत - अभिनंदन

हरिद्वार संवाददाता.कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज हरिद्वार में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के उत्तराखण्ड आगमन पर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को शॉल तथा हाउस ऑफ हिमालयास ब्रांड के उत्पादों की किट भेंट की। मुलाकात के दौरान आपसी सहयोग, विकास कार्यों एवं अन्य समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा भी हुई।

गढ़वाली फिल्म 'जलमभूमि' हुई रिलीज

देहरादून संवाददाता. आशा फिल्म्स के बैनर तले निर्मित गढ़वाली फीचर फिल्म 'जलमभूमि' शुक्रवार को देश भर के प्रमुख सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म के निर्देशक के. राम नेगी और अभिषेक मैंदोला ने बताया कि यह फिल्म उत्तराखंड की संस्कृति और परिवेश को बड़े पर्दे पर जीवंत करती है। फिल्म देहरादून के विभिन्न मॉल्स के साथ-साथ वेगास मॉल द्वारका (दिल्ली), जयपुरिया मॉल गाजियाबाद और के-प्राइड कोटद्वार में प्रदर्शित की जा रही है। फिल्म में अंकिता परिहार, अभिनव चौहान और नियो फरस्वान मुख्य भूमिकाओं में हैं।

आधुनिक शैक्षिक इंफ्रास्ट्रक्चर से गांवों का कायाकल्प, पलायन पर लगेगा अंकुश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भौतिक विकास जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह केवल आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों की भूमिका केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर संस्कार, संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन की भी होनी चाहिए। पौराणिक गुरुकुल परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह पद्धति व्यक्तित्व निर्माण की सशक्त आधारशिला रही है। मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें व्यवहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित की गई है, उसी प्रकार शिक्षण की गुणवत्ता भी उच्चस्तरीय होनी चाहिए। शिक्षा में नवाचार से गांवों का समग्र विकास होगा तथा पलायन पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा। उन्होंने आत्मनिर्भरता पर बल देते हुए कहा कि दूसरों पर निर्भर रहने की प्रवृत्ति से ऊपर उठकर ही सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।इस अवसर पर सांसद हरिद्वार त्रिवेंद्र सिंह रावत ने नवनिर्मित भवन को जनता को समर्पित किए जाने पर शुभकामनाएं देते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल दिया। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विद्यालय की वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए प्रांतीयकरण की प्रक्रिया पर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया। स्थानीय विधायक रेनू बिष्ट ने विद्यालय के प्रांतीयकरण एवं विज्ञान विषय की कक्षाएं प्रारंभ कराने की मांग रखी। कार्यक्रम में दोनों मुख्यमंत्रियों द्वारा विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 6 के नमन रावत, कक्षा 7 के हर्ष चौहान, कक्षा 8 की आरती चौहान, कक्षा 9 के सचिन बडोला, कक्षा 10 की कु. दीपाली, कक्षा 11 के अभिषेक बडोला तथा कक्षा 12 की कु. पल्लवी शामिल रहे।कार्यक्रम में जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

10 और 11 फरवरी को जिले में नि:शुल्क विधिक सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम

अल्मोड़ा संवाददाता. उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशों के अनुपालन में जनपद अल्मोड़ा के विभिन्न क्षेत्रों में 10 और 11 फरवरी को नि:शुल्क विधिक सहायता, विधिक साक्षरता और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी सिविल जज (सीनियर डिवीजन) एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शचि शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रमों के संचालन के लिए मोबाइल वैन के माध्यम से रूट चार्ट तैयार किया गया है, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक विधिक सहायता और कानून संबंधी जानकारी पहुंचाई जा सके। 10 फरवरी को तहसील अल्मोड़ा क्षेत्र में करबला चौराहा, धारानौला बाजार, सिकुड़ा तिराहा, ग्राम बख, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढौरा, पलना बैंड, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पौधार, ग्राम जलना, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जलना, लमगड़ा बाजार, राजकीय इंटर कॉलेज दयूलाथल, चलनीछीना बाजार, सुवाखान बाजार, गरूड़ाबाज और आरतोला बाजार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 11 फरवरी को तहसील अल्मोड़ा और तहसील सोमेश्वर क्षेत्र के जागेश्वर बाजार, पुनवानौला बाजार, बाड़ेछीना बाजार, राजकीय इंटर कॉलेज बड़ेछीना, ग्राम पेटशाल, चितई बाजार, एनटीडी चौराहा, पपरशैली, कसारदेवी, कपड़खान बाजार, ग्राम बसौली और ताकुला बाजार में नि:शुल्क विधिक सहायता एवं साक्षरता कार्यक्रम होंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बताया गया।

खटीमा में जहरीली शराब पीने से तीसरी मौत, अधिवक्ता गंभीर

रुद्रपुर संवाददाता. जहरीले पदार्थ के पीने से अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है। गंभीर हालत में गुरुवार देर रात को दो युवकों को रेफर किया था, जिसमें से एक और युवक मलकीत राणा की मौत हो गई है। जबकि, एक अधिवक्ता प्रवेश मौर्य की हालत गंभीर बनी हुई है। तीन लोगों की मौत से जहां परिवार में कोहराम मचा हुआ है वही शहर के संभ्रांत परिवार और जनजाति परिवार के साथ ही संघ से जुड़े व्यक्ति थे। जिस शराब भट्टी से शराब खरीदी गई थी पुलिस ने उसे सीज कर जांच शुरू कर दी है। जिस कमरे में बैठ कर शराब पी थी वहां एक ओर बोतल भी मिली है जिसमें से भयंकर दुर्गंध आ रही थी।संभवत: उसमें कोई केमिकल हो सकता है। शुक्रवार को ढिल्लू राणा के शव के पोस्टमार्टम की कार्यवाही शुरू होगी जिसके बाद मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा। इधर उप चिकित्सालय में लोगो की सुबह से ही खासी भीड़ इकट्ठा है।

दो दीवाने सहर में का ट्रेलर रिलीज, रोमांटिक फिल्म में जची मृणाल और सिद्धांत की शानदार केमिस्ट्री

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म श्दो दीवाने सहर मेंश् का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में दो प्रेमियों की कहानी देखने को मिलती है। दोनों की पसंद अलग है, लेकिन फिर कैसे दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ते हैं और अंत में उनकी प्रेम कहानी किस मोड़ पर पहुंचती है, ये फिल्म में देखने को मिलेगा। ट्रेलर की शुरुआत में मृणाल (रोशनी) और सिद्धांत (शशांक) के किरदार अपनी-अपनी आदतों और पसंद के बारे में बताते हैं। इसके बाद ट्रेलर में देखने को मिलता है कि दोनों की शादी की बात होती है, जहां शशांक के घरवाले रोशनी के घर रिश्ता लेकर जाते हैं। दोनों के पेरेंट्स दोनों को शादी करने के लिए कहते हैं और कैसे बात करना है ये बताते हैं। शशांक श्शश् को श्सश् कहता है, जिसके चलते उसे पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। शादी के लिए रोशनी शशांक को मना कर देती है। लेकिन बाद में दोनों एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं और उनके बीच प्यार पलने लगता है। फिर अचानक कुछ ऐसा होता है कि दोनों फिर अलग हो जाते हैं। अंत में क्या होता है, ये जानने के लिए फिल्म देखनी पड़ेगी।1 मिनट 58 सेकंड के इस ट्रेलर में अरेंज मैरिज, प्यार और प्रोफेशनल लाइफ सभी पर बात की गई है। एक ओर जहां दिखाया जाता है कि प्रोफेशनल लाइफ में किस तरह की दिक्कतें आती हैं और मृणाल का किरदार जैसे हो, वैसे रहने की बात करता है। वहीं दूसरी ओर अरेंज मैरिज के लिए कैसे घर वाले दबाव बनाते हैं और कहते हैं, वो भी दिखाया गया है। ट्रेलर से फिल्म की कहानी के बारे में काफी हद तक पता चलता है। फिल्म के गाने पहले से ही पसंद किए जा रहे हैं। अब देखने है कि फिल्म दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाती है।रवि उदयवार द्वारा निर्देशित श्दो दीवाने सहर मेंश् 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी के अलावा नवीन कौशिक, इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता और आयशा रजा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं।

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर 12वें दिन सनी देओल की फिल्म की कमाई में आया उछाल, 400 करोड़ की राह हुई आसान

सनी देओल, वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ की वार ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 ने 12 दिने पूरे कर लिए हैं. इन 12 दिनों में फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई 400 करोड़ रुपये के करीब आ गई है. भारत में फिल्म 350 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. इधर, रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 को बॉक्स ऑफिस पर लोग भूलते दिख रहे हैं. चलिए जानते हैं बॉर्डर 2 की 12 वें दिन और मर्दानी 3 की पांचवें दिन कमाई कितनी हुई है. बॉर्डर 2 की कमाई में 12वें दिन हल्का उछाल देखा गया. फिल्म ने 12वें दिन 6.69 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं, बॉर्डर 2 ने 11वें दिन भारत में 6.52 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. जबकि फिल्म ने बीते रविवार 24.22 करोड़ रुपये कमाए थे. फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 315.10 करोड़ रुपये हो चुका है और फिल्म का वर्ल्डवाइड 400 करोड़ रुपये के करीब आ रही है. सैकनिल्क की मानें तो, बीती 30 जनवरी को रिलीज हुई रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 ने पांचवें दिन 2.50 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म का भारत में कुल कलेक्शन 22 करोड़ रुपये का हो गया है.बता दें, हाल ही में, बॉर्डर 3 का भी ऐलान किया गया है. फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार और निधि दत्ता ने बॉर्डर 3 की गुडन्यूज फैंस को दी थी और अब फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार है.

मोनालिसा की फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर का पहला लुक आया सामने, दिखी पुरानी वाली मासूमियत, मूवी को लेकर दी नया अपडेट

महाकुंभ 2025 में करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच एक साधारण सी लड़की अचानक चर्चा का केंद्र बन गई थी नाम था मोनालिसा। माला बेचते हुए उनकी सादगी और खूबसूरती ने लोगों का ध्यान खींचा और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए। कैमरों और रील्स के बीच खड़ी मोनालिसा की जिंदगी ने यहीं से एक नया मोड़ ले लिया। महाकुंभ के दौरान फिल्ममेकर सनोज मिश्रा की नजर मोनालिसा पर पड़ी। उनकी सादगी और मासूमियत ने डायरेक्टर को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने मोनालिसा को अपनी फिल्म में कास्ट करने का फैसला कर लिया। यहीं से मोनालिसा का सफर मेले से फिल्मों की दुनिया की ओर बढ़ा।

अब मोनालिसा अपनी पहली बड़ी फिल्म श्द डायरी ऑफ मणिपुरश् की शूटिंग पूरी कर चुकी हैं। इस फिल्म में वह अभिनेता अमित राव के साथ नजर आएंगी, जो राजकुमार राव के भाई हैं। फिल्म के पूरा होने के साथ ही मोनालिसा का आत्मविश्वास भी साफ तौर पर झलकने लगा है। महाकुंभ के लगभग एक साल बाद मोनालिसा एक बार फिर प्रयागराज लौट रही हैं। इस बार वह माघ मेले में माला बेचने के लिए नहीं, बल्कि एक उभरती हुई बॉलीवुड अभिनेत्री के रूप में पहुंचेंगी। उनके लिए यह वापसी भावनात्मक भी है और ऐतिहासिक भी।सनोज मिश्रा, जो श्गांधीगीरीश् और श्शशांकश् जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पूरी टीम के साथ माघ मेले में शामिल होने जा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद टीम मां गंगा का आशीर्वाद लेने प्रयागराज पहुंचेगी, जिससे इस सफर को एक आध्यात्मिक पूर्णता मिलेगी। डायरेक्टर के मुताबिक, श्द डायरी ऑफ मणिपुरश् की शूटिंग कई चरणों में पूरी की गई। पहले शेड्यूल की शूटिंग उत्तर प्रदेश के इटावा में हुई, फिर टीम मणिपुर पहुंची, जहां अलग-अलग लोकेशन्स पर अहम सीन फिल्माए गए। इसके बाद नेपाल में एक शेड्यूल पूरा किया गया और फिल्म का बड़ा हिस्सा देहरादून में शूट हुआ। पिछले हफ्ते फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली गई।डायरेक्टर ने बताया कि मोनालिसा को अभी भी भाषा और उच्चारण में दिक्कत आती है। इसी वजह से फिल्म में उनके किरदार के लिए डबिंग का इस्तेमाल किया गया है।

नेशनल अवॉर्ड विजेता विक्रांत मैसी बनें प्रोड्यूसर, लव स्टोरी फिल्म मुसाफिर कैफे से करेंगे धमाका

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता विक्रांत मैसी, जो अपनी शानदार एक्टिंग और कंटेंट-फुल फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी क्रिएटिव जर्नी में नया कदम रख रहे हैं. वह अपनी आने वाली फिल्म मुसाफिर कैफे के साथ प्रोड्यूसर बन रहे हैं. अपनी पीढ़ी के बेहतरीन एक्टर्स में गिने जाने वाले मैसी हमेशा ऐसी कहानियां चुनते हैं जो भावनात्मक, सामाजिक और इंसानी हों, इसलिए प्रोडक्शन में कदम रखना उनके लिए बिलकुल नेचुरल है.मुसाफिर कैफे के साथ विक्रांत मैसी कहानी के हर पहलू में खुद को और करीब से जोड़ना चाहते हैं और ऐसी कहानियों को सामने लाना चाहते हैं जो ईमानदार, जमीन से जुड़ी और असली जिंदगी के अनुभवों पर आधारित हों. यह रोमांटिक ड्रामा दिव्या प्रकाश दुबे के उपन्यास पर आधारित है, जो इसकी कहानी और भावनाओं को और मजबूत बनाता है.अपने करियर के इस नए और खास अध्याय के बारे में बात करते हुए विक्रांत ने कहा, यह मौका मेरे लिए बिलकुल सही लगा, इतने शानदार क्रिएटर्स और टैलेंट के साथ काम करना और एक ऐसे क्षेत्र में कदम रखना जो उतना ही रोमांचक और ईमानदार लगता है। यह यात्रा अभी शुरू ही हुई है, और मुझे जो भरोसा और प्रोत्साहन मिला उसके लिए मैं सच में बहुत आभारी हूं.मुसाफिर कैफे प्यार, हीलिंग और खुद को समझने जैसी बातें दखाता है और अपनी भावनाओं और असलियत के जरिए दर्शकों को जोड़ना चाहता है. यह दिखाता है कि मैसी सिर्फ अच्छी कहानियों में एक्ट नहीं करना चाहते, बल्कि उन्हें पीछे से सपोर्ट और शेप भी करना चाहते हैं. प्रोड्यूसर बनकर वह ऐसी फिल्मों के लिए अपनी कमिटमेंट दिखा रहे हैं, जो मजबूत कहानी, अलग अंदाज और असरदार स्टोरीटेलिंग पर ध्यान देती हैं.मुसाफिर कैफे विक्रांत मैसी के लिए एक नए क्रिएटिव चौप्टर की शुरुआत है और उन्हें एक ऐसे स्टोरीटेलर के रूप में पेश करता है जो सोच-समझकर, लंबे समय तक असर रखने वाली फिल्में बनाना चाहते हैं, जो दर्शकों से गहरा कनेक्शन बना सकें. इसके बाद वह इंटरनेशनल थ्रिलर बायोपिक व्हाइट में नजर आएंगे, जिसमें वे स्पिरिचुअल लीडर गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर का रोल निभाएंगे.

हिन्दी दैनिक जोखिम

मुख्यमंत्री धामी के दिशा-निर्देशों में रुद्रप्रयाग विकास की नई रफ्तार पर

- यातायात सुधार की दिशा में अहम पहल, निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग पर विशेष ध्यान

- डॉ. आर. राजेश कुमार ने किया निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण, गुणवत्ता और तकनीकी मानकों पर परखी निर्माण कार्यों की प्रगति

रुद्रप्रयाग संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों में प्रदेशभर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव जनपद रुद्रप्रयाग में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनपद भ्रमण के दौरान प्रभारी सचिव रुद्रप्रयाग एवं आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने आज प्रातः जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग के मुख्य बाजार क्षेत्र स्थित पुनाड गदेरे के समीप निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप हो रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : प्रभारी सचिव

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कार्यदायी संस्था एवं संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आमजन की सुविधा से जुड़ी है, इसलिए कार्य में पारदर्शिता और मजबूती दोनों सुनिश्चित की जाएं।समयबद्धता पर दिया विशेष जोरः प्रभारी सचिव आर. राजेश कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, ताकि पार्किंग शीघ्र पूर्ण होकर जनता को समर्पित की जा सके। उन्होंने कहा कि समयबद्धता के साथ कार्य पूरा करना शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।जाम की समस्या से मिलेगी स्थायी राहतः निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कहा कि मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से रुद्रप्रयाग मुख्य बाजार क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण मुख्य बाजार में यातायात बाधित रहता है, जिससे स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ यात्रियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।चारधाम यात्रियों को होगा सीध ा लाभः प्रभारी सचिव ने कहा कि रुद्रप्रयाग चारधाम यात्रा का प्रमुख पड़ाव है और केदारनाथ धाम जाने वाले लाखों श्रद्धालु प्रतिवर्ष यहां से होकर गुजरते हैं। मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से चारधाम यात्रियों को सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध होगी और शहर के भीतर वाहनों का दबाव भी कम होगा। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा लंबे समय से मुख्य बाजार क्षेत्र में पार्किंग की समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। इसी के दृष्टिगत शासन द्वारा मुख्य बाजार के समीप मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। यह परियोजना शहरी यातायात प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।ष्7.09 करोड़ की स्वीकृति, ष्2.84 करोड़ जारी : मल्टी लेवल पार्किंग निर्माण के लिए शासन से कुल ष्7 करोड़ 9 लाख 74 हजार की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें से ष्2.84 करोड़ की धनराशि प्रथम चरण में जारी की जा चुकी है। इस परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी सिंचाई खंड रुद्रप्रयाग को सौंपी गई है, जो तकनीकी मानकों के अनुरूप कार्य कर रहा है।स्थानीय व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावाः मल्टी लेवल पार्किंग के निर्माण से न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि स्थानीय व्यापारियों को भी इसका सीध ा लाभ मिलेगा। सुगम पार्किंग व्यवस्था से बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ेगी और पर्यटन गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देशः प्रभारी सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में जवाबदेही तय करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता सिंचाई खंड खुशवंत सिंह, तहसीलदार रुद्रप्रयाग प्रणव पांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार का बयानः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रुद्रप्रयाग जनपद में निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग परियोजना यातायात सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस परियोजना के पूर्ण होने से न केवल स्थानीय नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी, बल्कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को भी सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। शासन की मंशा है कि सभी विकास कार्य समयबद्ध एवं उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण हों। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

हाउस ऑफ स्वाशा की सह-संस्थापक ने की कृषि मंत्री जोशी से भेंट

देहरादून संवाददाता. प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से आज उनके शासकीय आवास पर हाउस ऑफ स्वाशा ब्रांड (निजी संस्था) की सह-संस्थापक स्वाति खंडूरी डिमरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर स्वाति खंडूरी डिमरी ने कृषि मंत्री गणेश जोशी को हाउस ऑफ स्वाशा ब्रांड के अंतर्गत बांस (ठंडइवव) से निर्मित परिधान भेंट किए। भेंट के दौरान स्वाति खंडूरी डिमरी ने हाउस ऑफ स्वाशा द्वारा किए जा रहे सस्टेनेबल एवं इको-फ्रेंडली फैशन के प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रांड 100 प्रतिशत प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री का उपयोग करते हुए नैतिक उत्पादन और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए कार्य कर रहा है। ब्रांड की नई पेशकशों में बांस (ठंडइवव) रेंज के क्लासिक फिट टॉप्स और बांस से बने मोजे, साथ ही प्रीमियम ऑर्गेनिक कॉटन पुरुष कलेक्शन शामिल हैं। ये सभी परिधान 100% ऑर्गेनिक और प्राकृतिक सामग्री से तैयार किए गए हैं, जो अधिकतम आराम के साथ पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करते हैं। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने हाउस ऑफ स्वाशा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बांस आधारित उत्पादों को प्रदेश में किसानों से जोड़ा जाएगा, ताकि उनकी आय में वृद्धि हो सके।

आवास और शहरी विकास विभाग में सुधार पर केंद्र से 264 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत

- मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व वाले गुड गवर्नेंस मॉडल को केंद्र सरकार ने फिर सराहा

देहरादून संवाददाता. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में शहरी विकास और आवास विभाग के स्तर से लागू किए गए विभिन्न सुधारों के लिए केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को 264.5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय ने राज्यों को शहरी विकास और आवास विभाग से संबंधित विभिन्न नीतिगत सुधारों को लागू करने को कहा था। इन सुधारों को लागू करने के क्रम में मंत्रालय ने उत्तराखंड को स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इनवेस्टमेंट 2025-26 के क्रम में कुल 264.5 करोड़ की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। इसमें शहरी विकास विभाग को जीआईएस आधारित यूटिलिटी मैपिंग (सीवर, पेयजल, ड्रैनेज कार्य) के लिए 03 करोड़, सरकारी जमीनों और भवनों की मैपिंग के लिए 6.5 करोड और निकायों के स्तर पर आय के स्रोत बढ़ाने के लिए 10 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी की गई है।आवास विभाग के प्रयास सफलः मंत्रालय ने सबसे अधिक प्रोत्साहन राशि आवास विभाग के अधीन लागू किए गए सुधारों के लिए स्वीकृत की है। अरबन लैंड एंड प्लानिंग रिफार्म के तहत उत्तराखंड आवास विभाग ने टाउन प्लानिंग स्कीम और लैंड पूलिंग स्कीम के नियम लागू किये थे, जिसके लिए मंत्रालय ने 100 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की है। इसी तरह पुराने शहरी क्षेत्रों के पुनरुद्धार कार्यक्रम के लिए 140 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही बिल्डिंग बायलॉज में ग्रीन बिल्डिंग के मानक लागू करने के लिए 05करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की है। सचिव आवास डॉ आर राजेश कुमार ने कहा कि आवास विभाग मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में, उत्तराखंड के प्रत्येक नागरिक को किफायती आवास उपलबध कराने के साथ ही उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों मे शामिल करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रहा है।उत्तराखंड सरकार केंद्र सरकार के सभी दिशा निर्देशों को पूरी निष्ठा के साथ अमल में लाने का प्रयास कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। **सम्पादक - राजेश पंत**

फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com

ताजातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com